स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय

- **FACULTY NAME- SUMAN KUMARI**
- **COURSE –B.A. IInd YEAR**
- **SUBJECT – HISTORY**
- **PAPER– MADHYA KALEEN BHARAT KA ITIHAS**

जलाल उद्दीन मोहम्मद अकबर

(15 अक्टूबर 1542 – 27 अक्टूबर 1605)

- **जलाल उद्दीन मोहम्मद अकबर** तैमूरी वंशावली के मुगल वंश का तीसरा शासिक था।
- सम्राट अकबर मुगलसाम्राज्य के संस्थापक जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबरका पौत्र और नासिरुद्दीन हुमायूँएवं हमीदा बानो का पुत्र था।
- उसने हिन्दू-मुस्लिम संप्रदायों के बीच की दूरियां कम करने के लिए दीन-ए-इलाही नामक धर्म की स्थापना की |
- अकबर को अकबर-ऐ-आज़म (अर्थात अकबर महान), शहंशाह अकबर, महाबली शहंशाह के नाम से भी जाना जाता है|
- अकबर ने हिन्दुओं पर लगने वाला जज़िया कर समाप्त किया |

अकबर के नवरत्न

<बीरबल>

1. बीरबल

- नवरत्नों में से सबसे बुद्धिमान बीरबल को ही माना जाता है|
- इनका जन्म 1528 में काल्पी के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था|
- इन के बचपन का नाम महेश दास था|
- बीरबल को अकबर के दरबार में पहुंचाने का श्रेय आमेर के राजा भारमल के पुत्र भगवान दास को है|
- इनकी योग्यता का सम्मान करते हुए सम्राट ने उन्हें कवि राज्य व राजा की उपाधि के साथ-साथ 2000 का मनसब प्रदान किया|
- अकबर ने इन्हें नगरकोट, कांगड़ा व कालिंजर की जागीरदारी प्रदान की थी
- 1583 में अकबर के न्याय-विभाग के सर्वोच्च अधिकारी बने |
- अकबर द्वारा 1552 में चलाए गए दीन-ए-इलाही धर्म को स्वीकार करने वाले एकमात्र हिंदू राजा बीरबल ही थे|
- 1586 में युसूफजेई कबीले से लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गई|
- बीरबल की मृत्यु से अकबर इतने दुखी हुए कि उन्होंने 3 दिन तक अन्न ग्रहण नहीं किया|

<तानसेन>

2. तानसेन

- मिर्जा तानसेन का जन्म ग्वालियर में हुआ था|
- यह संगीत कला में अत्यधिक निर्गुण थे, उनकी संगीत की प्रशंसा सुनकर सम्राट अकबर ने इन्हें अपने दरबार में बुलाया था|
- तानसेन को संगीत-सम्राट भी कहा जाता है|
- अकबर ने इन्हें कंठाभरण वाणीविलास की उपाधि से सम्मानित किया|
- उन्होंने कई नए रागों की रचना की थी इनकी समय में ध्रुपद गायन शैली का विकास हुआ|
- उनकी प्रमुख कृतियों में मियां की टोड़ी, मियां की मल्हार, मियां की सारंग, दरबारी कानडा भी शामिल है|
- इनकी मृत्यु 1589 में हुई.

<अबुल फजल>

3 . अबुल फजल

- यह सूफी शेख मुबारक के पुत्र थे जिनका जन्म 1950 में हुआ था|
- अपनी योग्यता के कारण यह भी सम्राट के संपर्क में आते ही उनके अभिनय मित्र हो गए थे|
- इतिहास, दर्शन एवं साहित्य के विद्वान थे| अकबरनामा व आईने-अकबरी जैसे ग्रंथों की रचना की थी
- अबुल फजल दीन ए इलाही धर्म के मुख्य पुरोहित थे|
- मनसबदार होने के साथ ही यह एक कुशल योद्धा भी थे, उन्होंने दक्षिण भारत में कई युद्धो का सफल संचालन किया था|
- इनकी हत्या 1602 में शहजादा सलीम ने उस समय कर दी जब वह दक्षिण से आगरा की ओर आ रहे थे|

<राजा फैजी>

4. फैजी

- फैजी सम्राट अकबर के शिक्षा मंत्री और पुत्रों के गुरु थे।
- वह अकबर के दरबार के एक अन्य सदस्य, अबुल फज़ल इब्न मुबारक का भाई था।
- फ़ैज़ी का जन्म 1547 में आगरा में हुआ था और उनकी शिक्षा उनके पिता, जो इस्लामी धर्मशास्त्र और ग्रीक साहित्य और दर्शन के विद्वान थे, ने की थी।
- वह आगरा, कालिंजर और कालपी राज्यों के सद्र (धार्मिक अधिकारी) बन गए और 1588 में, वह अदालत के कवि पुरस्कार विजेता बन गए।
- फ़ैज़ी को उनकी शायरी के लिए याद किया जाता है, उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक कविता संग्रह तबशीर अल-सुभ है।
- उच्च कोटि के कवि व लेखक थे | सम्राट अकबर ने इन्हें राजकवि के पद पर आसीन किया था |
- उन्होंने महाभारत व भागवतगीता का फारसी अनुवाद किया व अकबरनामा नामक ग्रंथ की भी रचना की
- यह दीन –ए- इलाही धर्म के कट्टर समर्थक थे |
- गणित की प्रसिद्ध पुस्तक लीलावती का फारसी में अनुवाद किया, और इनकी मृत्यु 1595 ईस्वी में हुई थी|

<राजा टोडरमल>

5. राजा टोडरमल

- इनका जन्म अवध के जिला सीतापुर के तहसील लहरपुर में हुआ था|
- अकबर के यहां आने से पूर्व यह शेरशाह सूरी के यहां नौकरी करते थे,
- यह 1562 में अकबर की सेना में भर्ती हुए| 1572 में इन्हें गुजरात का दीवान बनाया गया, इनकी प्रतिष्ठा का मुख्य कारण इनके द्वारा किए गए भूमि सुधार थे|
- दीवान-ए-असरफ के पद पर रहकर इन्होंने भूमि सुधार की सफल योजना चलाई|
- उन्होंने कई युद्धों में भी भाग लिया, यह अपने धर्म के कट्टर समर्थक थे
- इनकी मृत्यु 1579 में हुई.

6.राजा मान सिंह

- अकबर के साम्राज्य विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई |
- यह आमेर के राजा भारमल के पौत्र तथा भगवान दास के पुत्र थे|
- इनके परिवार से अकबर का वैवाहिक संबंध स्थापित हुआ जिससे अकबर ने हिंदुओं से उदारता का व्यवहार करते हुए जजिया कर समाप्त कर दिया|
- महाराणा प्रताप के विरोधी अकबर को विजय मानसिंह ने ही दिलाई थी|
- सम्राट अकबर की ओर से इन्होंने काबुल, बंगाल तथा बिहार प्रदेश पर सफल सैनिक अभियान चलाए थे |
- इनकी मृत्यु 1611 में हुई थी|

<अब्दुलरहीम खानखाना>

7.अब्दुलरहीम खानखाना

- यह बेरम खां के पुत्र थे | ऐसा माना जाता है, कि इनका पालन-पोषण अकबर ने ही किया था |
- यह उच्च कोटि के विद्वान कवि थे, उन्होंने तुर्की में लिखें बाबरनामा का फारसी में अनुवाद किया था |
- इनके हिंदी में लिखे दोहे आज भी पढ़े जाते हैं |
- गुजरात के शासक को युद्ध में अपनी वीरता से पराजित करने पर अकबर ने इन्हें खानखाना की उपाधि से सम्मानित किया था |

8. हकीम हुमाम

- ये अकबर के विश्वासपात्र मित्र थे|
- अकबर के रसोई घर का प्रबंध करना उनकी जिम्मेदारी थी
- अकबर ने प्रसन्न होकर इन्हें अपने नवरत्न में शामिल कर लिया था |

<हकीम हुमाम>

9. मुल्ला दो प्याजा :

- ये अरब के रहने वाले थे|
- इन्हें भोजन में दो प्याज बहुत पसंद थे, इसलिए अकबर ने इनका नाम मुल्ला दो प्याजा रख दिया |
- अपनी बुद्धिमानी व वाकपटुता के कारण नवरत्न में शामिल किए गए|

<मुल्ला दो प्याजा>

- THANK YOU